

[श्री प्रिय गुप्ता]

के बयान पर डिक्लेशन के लिये तो बे भिन्न भिन्न इनकम ग्रुप के पर कैपिटा इनकम तथा कर्ज के आंकड़े भी उस के सामने रखें। उन्होंने सिर्फ एक्स्पेंडिचर के आंकड़े बतलाये हैं। ताकि सही जांच और बहस हो सके।

**Shri Tyagi (Dehra Dun):** We will do it. (Interruption).

**Shri Priya Gupta:** I am a junior Member and he is a senior Member. Why should he interrupt me?

**Mr. Speaker:** Order, order.

श्री बागड़ी: मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है। मैं अध्यक्ष महोदय, आप का ध्यान इस तरफ खींचना चाहता हूँ कि डाक्टर साहब ने अपने बयान के दौरान एक बहुत जिम्मेदारी की बात कही है कि उन के पास कितने ही धमकी के खतूत आते हैं, और इस सदन में भी यह बात आ गई। इसके बारे में आपने कोई जवाब नहीं दिया। जब सदन में यह बात आ गई है तो उस के ऊपर कुछ न कुछ तो आप को कहना ही चाहिये। इसके बाद खास किसिम की बात...

**अध्यक्ष महोदय:** अगर वह सब आप मेरे पास भेज दें, तो जो कुछ मुझमें हो सकेगा वह करूंगा। कहने की जरूरत होगी तो बहूंगा और करने की भी जरूरत हुई तो वह भी करूंगा।

12.10 hrs.

APPROPRIATION (RAILWAYS)  
 NO. 5 BILL\*, 1963

**The Minister of Railways (Sardar Swaran Singh):** I beg to move for leave to introduce a Bill to authorise payment and appropriation of certain further sums from and out of the Consolidated Fund of India for the

service of the financial year 1963-64 for the purposes of Railways.

**Mr. Speaker:** The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill to authorise payment and appropriation of certain further sums from and out of the Consolidated Fund of India for the service of the financial year 1963-64 for the purposes of the Railways."

The motion was adopted.

**Sardar Swaran Singh:** I introduce the Bill.

12.20 hrs.

CUSTOMS AND CENTRAL EXCISES  
 (AMENDMENT) BILL—contd.

**Mr. Speaker:** The House will now take up further consideration of the following motion moved by Shri B. R. Bhagat on the 23rd August, 1963, namely:—

"That the Bill to amend the Customs Act, 1962 and further to amend the Central Excises and Salt Act, 1944 be taken into consideration."

Out of the one hour allotted for this Bill, 5 minutes have been taken and 55 minutes are still there. Shri Kashi Ram Gupta.

श्री कशी राम गुप्त (अलवर): अध्यक्ष महोदय, मैं इस बिल का स्वागत करता हूँ क्योंकि यह केन्द्र की कर नीति के एकीकरण की तरफ एक बहुत अच्छा कदम है। किन्तु मुझे इस बात का सन्देह है कि इस बिल में जो शब्द "गवर्नमेंट" रखा गया है उसमें यह स्पष्ट हो सकेगा कि नहीं कि इसमें

\*Published in the Gazette of India Extraordinary Part II—Sections 2, dated 26-8-63.

†Introduced with the recommendation of the President.